महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

- वर्ष – 2
- अंक – 6
- जनवरी, 2024

- coordinator.nss@mgug.ac.in
- mguniversitygkp@mgug.ac.in
- www.mgug.ac.in

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य
सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

सम्पादक मण्डल

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य
सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

डॉ. विकाश कुमार यादव

सहायक आचार्य
कृषि संकाय

श्री धनंजय पाण्डेय

शिक्षक
सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/24/101	अष्टवक्र इकाई	डॉ. दीपू मनोहर
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	श्रीमती पी.आर.लीगो सिंसी
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	सुश्री सुप्रिया गुप्ता
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसूइया इकाई	सुश्री दीक्षा गुप्ता
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता भारती
8	UP-80/008/24/701	मैत्रयी इकाई	श्रीमती जेनी डी.

राष्ट्रीय कैडेट कोर

101 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण एवं सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर एक दृष्टि में...

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का इतिहास

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(a) सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बडे सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

राष्ट्रीय युवा दिवस

दौड़, लम्बी कूद, रस्सा खींच : प्रतियोगिताएं

राष्ट्रीय कैडट्स कोर : एमजीयूजी

लम्बी कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते कैडेट्स

रस्सा खींच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते कैडेट्स

दिनांकः **12 जनवरी, 2024** को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर दौड़, लांग जंप एवं रस्सा खींच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी बालक और बालिका कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एन.सी.सी. ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवं रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। दौड़ प्रतियोगिता के लिए एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजाकर दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव, द्वितीय स्थान, सागर जायसवाल, तृतीय स्थान, हरयश्व कुमार सहानी रहें। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान, कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लम्बी कूद में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवं अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग में अंचल पाठक प्रथम, अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान। रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में ग्रुप बी विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में बी ग्रुप विनर रहा। प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट अनुभव, सागर जयसवाल, प्रियेश, अमित कुमार चौधरी, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, सागर यादव, खुशी गुप्ता, अमृता कन्नौजिया, रीतू मौर्य, निधि साहनी, शालिनी चौहान, साक्षी प्रजापति, पूजा सिंह, संजना शर्मा, अंशिका सिंह, आंचल पाठक अश्मिता एवं उपस्थित समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय युवा दिवस पर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय लखनऊ से युवाओं को सम्बोधन का सजीव प्रसारण : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

माननीय मुख्यमंत्री जी का सम्बोधन

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

मुख्यमंत्री जी का संबोधन सुनते हुए विवि के कुलपति, प्राध्यापक व विद्यार्थी

दिनांक : 12 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विभिन्न संकायों में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश जी के संबोधन का सजीव प्रसारण को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल बाजपेई के कुशल मार्गदर्शन में डॉ. राजेश बघेल, निदेशक, महंत दिग्विजय नाथ चिकित्सालय, डॉ. मंजूनाथ एन. एस.,प्राचार्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, डॉ शशिकांत सिंह, प्राचार्य, फॉमेसी संकाय, डॉ. विमल दुबे अधिष्ठाता कृषि संकाय, डॉ सुनील सिंह, अधिष्ठाता, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य, महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज, डॉ. अखिलेश दुबे, कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना, श्री अभिनव सिंह राठौड़, श्री अनुप कुमार मिश्रा, श्री शुभम कुमार मौर्या, सुश्री सुप्रिया गुप्ता सहित विश्वविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी के समस्त इकाईयों के विद्यार्थियों ने मनोयोग से मुख्यमंत्री जी के भाषण का चाक्षुस दर्शन एवं श्रवण किया।

युवा महोत्सव 2024 में नासिक महाराष्ट्र से प्रधानमंत्री ने युवाओं को किया राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित

माननीय प्रधानमंत्री महोदय का उद्बोधन सुनते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थीगण प्राध्यापक व विद्यार्थी

दिनांक : 12 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2024 में नासिक महाराष्ट्र से प्रधानमंत्री ने युवाओं को किया राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न संकायों में माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया गया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्र सेवा के लिए युवाओं का आह्वाहन करते हुए कहा की भारत की मेरुदंड युवा शक्ति है। युवाओं को सही दिशा लक्ष्य संकल्प के साथ राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित होना होगा। तभी हम अखंड भारत के स्वप्न को पूर्ण कर सकते है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं का सर्वांगीण विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नासिक में संपन्न प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास यादव के साथ स्वयंसेवक आलोक कुमार एवं विजय कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

प्रधानमंत्री जी के सजीव उद्बोधन समारोह को गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, निदेशक महंत दिग्विजयनाथ चिकित्सालय डॉ. राजेश बघेल गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस., प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. विमल दुबे अधिष्ठाता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डॉ. सुनील सिंह कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने पूरे मनोयोग से श्रवण कर जीवन में उतारने का संकल्प लिया ।

ऑनलाइन प्रसारण को प्रसारित करने में डॉ. सुमित कुमार, श्री सिद्धांत, श्री राहुल श्रीवास्तव, श्री सन्नी और श्री कमल नयन श्रीवास्तव ने तकनीकी सहयोग दिया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती एवं राष्ट्रीय युवा सप्ताह 12 से 18 जनवरी, 2024

उद्घाटन समारोह

राष्ट्रीय सेवा योजना

सरस्वती वंदना प्रस्तुत करती छात्रा

कुलगीत प्रस्तुत करती छात्राएं

दिनांक : 12 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय सेवा योजना' द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय युवा सप्ताह' का उद्घाटन मुख्य अतिथि मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, विशिष्ठ अतिथि एडवोकेट शुभेन्द्र सत्यदेव ने द्वीप प्रज्ज्वलन एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ द्वीप प्रज्ज्वलन, पुष्पार्चन, सरस्वती वंदना व कुलगीत से किया गया। उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि व वक्ता अधिवक्ता शुभेन्द्र सत्यदेव ने संबोधित करते हुए कहा कि व्यावहारिक जीवन में आध्यात्म के प्रयोगों पर रुचिकर चर्चा की। उन्होंने कहा विवेक के अभाव में आनन्द की कल्पना करना बेमानी है। जीवन में आत्मविश्वास ही वह अदृश्य शक्ति है जो आपसे असंभव लगने वाले कार्य को भी सम्भव करवा देती है। संघर्ष रहित, दुःख दर्द रहित व विफलता रहित जीवन बेकार है। उन्होंने मानव शरीर की प्राकृतिक संरचना का उदाहरण देते हुए विवेक के प्रयोग द्वारा सही और गलत चुनने का व्यवहारिक प्रयोग भी साझा किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने कहा कि उदीयमान भारत का अमृतकाल आज नित्य नए संकल्पों को सिद्धि प्रदान कर रहा है। आज भारत के नाम विश्व में सर्वाधिक वार्षिक पेटेंट का रिकॉर्ड बनने जा रहा है। भारत का युवा इसे आज विश्व की महाशक्ति बनाने में अपना योगदान दे रहा है। अतिथि परिचय व कार्यक्रम की भूमिका राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने रखते हुए बताया कि इस साप्ताहिक कार्यक्रम में 13 जनवरी को भाषण प्रतियोगिता, 16.01.2024 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चेस प्रतियोगिता एवं 17.01.2024 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। आयोजन में सरस्वती वंदना, कुलगीत छात्रा ज्योति और एनएसएस गीत खुशी मिश्रा, दीक्षा, मुंपी राय ने गाकर शुभारंभ किया गया। आभार ज्ञापन स्वयंसेवक आशीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., डॉ. राजेंद्र भारती, निदेशक राजेश बघेल, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, सुश्री प्रज्ञा पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दीपू मनोहर, सुश्री सुप्रिया गुप्ता, श्रीमती पी. आर लिंगो सींशी, श्रीमती डी, यस. जैनी, सुश्री दीक्षा गुप्ता, सुश्री कविता साहनी, अनिकेत मल्ल शिवम पांडेय सहित सभी शिक्षक एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विशिष्ठ अतिथि श्री शुभेन्द्र सत्यदेव

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि माननीय कुलपति

स्वामी विवेकानन्द जयंती एवं राष्ट्रीय युवा सप्ताह 12 से 18 जनवरी, 2024

भाषण प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

भाषण प्रतियोगिता में अपने विचार प्रस्तुत करतीं हुई बीएएमएस की छात्रा

भाषण प्रतियोगिता में अपने विचार प्रस्तुत करता विद्यार्थी

दिनांक : 13 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत विकसित भारत @2047 विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में बायोटेक्नोलॉजी के छात्र शिवम पांडे ने विकसित भारत विषय पर कहा की नया भारत वैश्विक विकास को प्रतिष्ठित कर रहा है, आज भारत अमृत काल में दिव्य आध्यात्मिक प्रगति की गाथा लिख रहा है । स्वामी विवेकानंद ने युग दृष्टा, दिव्य ज्योति पुंज के रूप में सम्पूर्ण विश्व में भारत के गौरव को प्रतिष्ठित किया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ अखिलेश दुबे के द्वारा किया गया। निर्याणक मंडल के रूप आचार्य विनम्र शर्मा, सहायक आचार्य शंकर दयाल उपाध्याय, सहायक आचार्य डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने विषय के तकनीकी शैली पर मूल्यांकन कर प्रतिभागीयो का मार्गदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में 30 विद्यार्थियों ने विकसित भारत @2047 पर अपने विचार व्यक्त किया। प्रतिभागी अनुभव ने कहा की हमारा लक्ष्य हैं कि अब हम, हमें स्वयं ही उठकर देश का जवान बनाना है दुनिया में अब अपनी पहचान को विकसित कर भारत के लक्ष्य में जय जवान जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान की आवश्यकता है। भाषण प्रतियोगिता का संचालन नवीन पर्वत एवं अलका ने किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडे ने किया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहें। प्रतियोगिता में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, महंत अवैधनाथ पैरामेडिकल कॉलेज, आयुर्वेद संकाय एवं कृषि विज्ञान संकाय के छात्रों ने प्रतिभाग किया।

स्वामी विवेकानन्द जयंती एवं राष्ट्रीय युवा सप्ताह 12 से 18 जनवरी, 2024

शतरंज प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक

दिनांक : 16 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद जी के जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह के पांचवे दिन शतरंज और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों का उत्साह और शह–मात का खेल चलता रहा। शतरंज प्रतियोगिता पंचकर्म सभागार में कुल 40 प्रतिभागियों ने अपनी कुशाग्रता का परिचय दिया।

शतरंज प्रतियोगिता राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय और डॉ. दीपू मनोहर के निर्देशन में कराया गया। वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कुल 103 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया था। जिसमें से 75 विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी और प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

समस्त प्रतियोगिता को संपन्न कराने में डॉ. सुमित कुमार, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. नवीन के. राहुल कुमार, सिद्धांत, सन्नी इत्यादि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते स्वयंसेवक

दिनांक : 16 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद जी के जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह के पांचवे दिन ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन आयुर्वेद कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज के कम्प्यूटर लैब में किया गया। जिसमें कुल 110 पंजीकृत विद्यार्थियों में का उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्यवक डॉ. अखिलेश दूबे, कार्यक्रम अधिकारी सुप्रिया गुप्ता और कविता भारती के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। परिणामों के आधार पर निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान अनिकेत मल्ल, दृत्रित स्थान अमन गुप्ता, तृतीय स्थान नागेश्वर सिंह को प्रदान किया।

प्रतियोगिता को संपन्न कराने में डॉ. सुमित कुमार, डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गोपी कृष्ण, डॉ. नवीन के. राहुल कुमार, सिद्धांत, सन्नी इत्यादि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वामी विवेकानन्द जयंती एवं राष्ट्रीय युवा सप्ताह 12 से 18 जनवरी, 2024

सांस्कृतिक लोक नृत्य एवं लोक गीत प्रतियोगिता

राष्ट्रीय सेवा योजना

द्वीप प्रज्ज्वलित करतीं हुई मुख्य अतिथि श्रीमती अरून्धती त्रिपाठी

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करतीं हुई छात्राएं

दिनांक : 17 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विश्वविद्यालय में संचालित सभी इकाई के बीच लोक नृत्य और लोक गीत सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त इकाइयों के स्वयंसेवकों ने बड़े मनोयोग के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में परिजात इकाई द्वारा कजरी और छठ गीत पर प्रस्तुति में फगुआ गीत, आंच बहंगी लच कच जाए, होलिया खेले राम लला बहिल अवध नगरिया शोर, माता अंसुइया द्वारा गीत 'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी प्यारी है' मांता गार्गी इकाई (लोक नृत्य) 'तुझे वक्त बदलना है' 'मैं निकला गड्डी लेकर' गार्गी इकाई लोक गीत 'हम कथा सुनाते राम सकल गुन धाम की, ये रामायण है प्रभु श्री राम की' नचिकेता इकाई गीत छठ गीत 'शीतली ब्यारिया शीतल दूजे पनिया, कब दर्शन देवे का सूरज जुग जुग जीया' 'लालना लाल होइ, आज क दिनवा सुहावन हो बन्ने बनी' गीत कर दहेज पर कटाक्ष किया, नचिकेता इकाई लोक नृत्य आखों पर काली पट्टी बांध कर प्रस्तुति 'बेखौफ आजाद रहना मुझे' सभी का मन मोह लिया की शानदार प्रस्तुति आर्यभट इकाई लोक नृत्य 'घूमर नृत्य' से राजस्थान लोक का मंच पर उतारा 'रघु कुल रीत के राम रमैया, सबसे महान मेरा' उत्तर प्रदेश है, से उत्तर प्रदेश की झांकी दिखाई लोक गीत शक्ति है भक्ति है जीवन का सम्पूर्ण सार है। महाभारत का दृश्य ऋषि अष्ठवक्र इकाई द्वारा गीत मेरे झोपड़ी के भाग आज खुल जायेंगे राम आयेंगे, राममय माहौल मंत्र मुग्ध कर दिया सभी ने तालियां बजाकर खुशी से झूम उठे नृत्य छठ गीत, नृत्य अभिनय, से सभी का मन मोह लिया आज मिथिला नगरिया, चारो दूल्हा में बड़का हमार सखियां राम जी से पूछे जनक पुर के नारी, लोगवा देत काहे गारी से विवाह गीत नृत्य से सभी को झूमा दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं निर्णायक मण्डल प्रमुख, शास्त्रीय नृत्यांगना श्रीमती अरुन्धती त्रिपाठी ने नृत्य की बारीक्यों से सभी स्वयसेवक को परिचय कराया और बताया की नृत्य के समय आपके भाव भंगिमा बहुत मायने रखती है आपके पहनावे और आपके चेहरे का एक्स्प्रेसन आपके साथ आपकी कला को भी निखार देते है एवं द्वितीय निर्णायक सदस्य डॉ. अनामिका अजारिया सहायक अध्यापक ने सभी को सुन्दर प्रस्तुति के लिए बधाई दी और कहा की थार्नडाइक ने कहा है कि प्रयास एवं त्रुटी का सिधान्त ही यही है। आप करंगे तो गलती होगी और उससे आप सुधार करेंगे और फिर आप सीख जायेंगे।

कार्यक्रम के अन्त में डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सभी का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे कार्यक्रम अधिकारी, सुश्री सुप्रिया गुप्ता, सुश्री कविता, श्री धनन्जय पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर के साथ डॉ. शंकर दयाल उपाध्याय, कुवर अभिनव राठोर एवं सभी शिक्षक एवं स्वयसेवक उपस्थित रहें।

विश्वविद्यालय में आयोजित स्वच्छता अभियान के अंतर्गत साफ–सफाई करते हुए एनसीसी के पदाधिकारी एवं कैडेट्स

दिनांक : 17 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित यूपी 102 एनसीसी बटालियन गोरखपुर के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में एनसीसी कैडेट्स ने अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा हेतु स्वच्छता भावापर्ण श्रमदान किया। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वाहन पर अयोध्या के राम मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा के मौके पर देश के सारे मंदिरों, तीर्थ स्थलोंएवं संस्थानोंमेंस्वच्छता अभियान चलाए जाने का लक्ष्य है। इस संकल्प में विश्वविद्यालय आरोग्य धाम बालापार में 17 जनवरी से 22 जनवरी 2024 तक स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता का भाव अर्पण किया गया।

स्वच्छता पखवारे की शुरुवात विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई और कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में हुआ। स्वच्छता पखवारे में राष्ट्रीय कैडेट कोर के सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं डॉ कुलदीप सिंह ने झाड़ू लगाकर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। विश्वविद्यालय प्रांगण में पंचकर्म चिकित्सा के पास घाट परिक्षेत्र की साफ–सफाई, कूड़ा निस्तारण करके कैडेट्स ने श्रमदान किया। श्रमगीत 'साथी हाथ बढ़ाना, एक अकेला थक जाएगा, मिल के हाथ लगाना', और एनसीसी गीत गाकर श्रमदान किया। स्वच्छता अभियान का संचालन एनसीसी सी. टी. ओ. डॉ. संदीप श्रीवास्तव एवं डॉ. कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ए.न.ओ. डॉ. हरी कृष्ण, कैडेट सागर जायसवाल, अनुभव, प्रियेश राम त्रिपाठी, मोतीलाल, आशुतोष सिंह, हर्षव कुमार साहनी, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, खुशी यादव, चांदनी निषाद, रितु मौर्या, अस्मिता सिंह, श्रद्धा उपाध्याय, संजना शर्मा, पूजा सिंह एवं आदित्य सिंह ने श्रमदान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त प्राचार्य, अधिष्ठता एवं शिक्षकगण उपस्थिति रहें।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समापन कार्यक्रम में लोकनृत्य प्रस्तुत करतीं हुई विश्वविद्यालय की छात्राएं

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समापन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र भारती

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समापन कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेई

दिनांक : 18 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वामी विवेकानन्द जयंती पर आयोजित 'राष्ट्रीय युवा सप्ताह' का समापन समारोह पंचकर्म सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, विशिष्ट अतिथि विजिटिंग प्रोफ़ेसर अधिष्ठाता प्रशासन प्रो. राजेन्द्र भारती, प्राचार्य डॉ. मंजुनाथ एन.एस., कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने दीप प्रज्ज्वलन एव पुष्पार्चन कर आयोजन को प्रवाह दिया। माँ सरस्वती शारदे गीत पर नर्सिंग की छात्रा प्रियांशी ने नृत्य प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया उसके उपरांत स्वयंसेविकाओं ने सरस्वती वंदना, कुलगीत, राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्य गीत गाकर युवा सप्ताह को गति प्रदान किया।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में नचिकेता इकाई की मोहनी, अकांछा, सुष्मिता, दिव्या, पूर्णिमा, ज्योति, रेनू ने लोकगीत छठ गीत, सोहर, फगुआ, गारी गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन के समय सभी ने तालियां बजाकर सुर से सुर मिलाया। ऋषि अष्ठवक्र इकाई की स्वयंसेविका खुशी और प्रेरणा ने 'राम आयेंगे, मेरे झोपड़ी के भाग्य आज खुल जायेंगे, राम आयेंगे, राम आयेंगे' तो 'अंगना सहायंगी, दीप जलाकर दीपावली मनाऊंगी' गीत गाकर पूरा माहौल भक्ति राममय कर दिया एवं लोकनृत्य में नचिकेता इकाई में मोहानी, मनीषा, खुशी, रोशनी, रिजिका ने 'दिवारे है ऊंची गलियां है तंग, लड़ने चली हूँ आजादी की जंग' रिमिक्स में गौरवशाली भारत के दृश्य दिखाकर राष्ट्र प्रेम के जज्बे से भर दिया। ऋषि अष्ठवक्र इकाई की दीक्षा, रिचा, अलका, आयूषी ने लोकनृत्य 'आज मिथिला नगरी में चारो दूल्हा में बड़का हमार दूल्हा' सोहर संस्कार गीत गाकर सभी को लोक संस्कृति से जोड़ दिया।

मुख्य अतिथि कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई ने कहा की राष्ट्रीय युवा सप्ताह में सभी प्रतिभागियों ने अपना उत्कृष्ठ

राष्ट्रीय युवा सप्ताह समापन कार्यक्रम में लोकगीत, लोकनृत्य प्रस्तुत करतीं हुई विश्वविद्यालय की छात्राएं

प्रदर्शन किया। लक्ष्य को साधने के लिए संकल्प लेना जरूरी है जब लक्ष्य के साथ उठने का संकल्प लेंगे तो आप किसी भी चुनौती को स्वीकार कर सकते है, विश्व की मानव सेवा का संकल्प जीवन का संकल्प बनाना होगा। हर क्षेत्र में संस्कारों से अपने लक्ष्य पर विजय श्री ग्रहण करें।

प्रो राजेंद्र भारती ने कहा की सभी प्रस्तुति प्रशंसनीय है, उठो जागो, जब तक उद्देश्य प्राप्त न हो जाए चलते रहो का लक्ष्य युवाओं के साधना होगा। युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी ने अपने जीवन को साधा, उद्देश्य विहीन जीवन के बिना लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती है। अपने ऊर्जा का सही सदुपयोग कर शिखर को छुआ जा सकता है। जीवन में चरित्रवान होना है, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पित होना है भारत जीवंत राष्ट्र है भारत वर्ष का धर्म मातुभूमि की सेवा है।

कार्यक्रम की रूप रेखा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्यवक डॉ. अखिलेश दूबे ने बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना की उपलब्धि लक्ष्य और उद्देश्य को रेखांकित किया। राष्ट्रीय युवा सप्ताह में आयोजित प्रतियोगिता में भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवम पाण्डेय द्वितीय स्थान उत्कर्ष सिंह तृतीय स्थान अनुभव, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रथम स्थान अनिकेत मल्ल द्वितीय स्थान अमन गुप्ता तृतीय स्थान नागेश्वर सिंह चेस प्रतियोगिता विजेता उत्कर्ष सिंघल उप विजेता आयुष कुमार एवं सांस्कृतिक लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ऋषि अष्टवक्र इकाई, द्वितीय स्थान नचिकेता इकाई एवं तृतीय स्थान लोकनृत्य में माता अनुसुईया इकाई एवं लोक गीत माता सवरी इकाई ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन आशीष चौधरी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. रोहित श्रीवास्तव प्राचार्य महन्त अवेधनाथ पैरामेडिकल कॉलेज, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकास कुमार यादव, श्री धनंजय पाण्डेय, डॉ. दीपू मनोहर सुश्री सुप्रिया गुप्ता, श्रीमती जैनी, सुश्री दीक्षा गुप्ता, सुश्री कविता, पी. आर. लिंगो शिंसी एवं सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कैडेट्स को सड़क सुरक्षा की बारीकियों के विषय में बताते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई।

कैडेट्स द्वारा बनाई गई मानव श्रृंखला में सड़क सुरक्षा के विषय में बताते हुए डॉ. अखिलेश कुमार दुबे।

दिनांक : 23 जनवरी, 2024 को पराक्रम दिवस पर सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने सतर्कता का संकल्प लिया। उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर रोड सेफ्टी क्लब, 'राष्ट्रीय सेवा योजना' और 'राष्ट्रीय कैडेट कोर' ने सयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला का निर्माण कर जन–जन को जागरूक करने का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर स्मरण करते हुए कहा कि नेता जी अमर हैं उनका जीवन दर्शन सभी के दिल दिमाग मे बसता है और देश प्रेम की भावना जगाता है। उनके द्वारा स्थापित आजाद हिंद फ़ौज ने देश की स्वतंत्रता में अहम भूमिका निभाई। सड़क सुरक्षा अभियान में युवा को जागरुक करते हुए कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है इसकी सुरक्षा करें यातायात नियम का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है।

मानव श्रृखंला में संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा की नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने सम्पूर्ण जीवन स्वराज आजादी के प्रति कृत संकल्पित रहें। राष्ट्र के प्रति उनके कार्य शैली और नेतृत्व को सम्पूर्ण राष्ट्र ने अंगीकार किया। पराक्रम और शौर्य के नायक नेता जी सभी के प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे।

रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने की सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक करते हुए कहा कि जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण है, जीवन के प्रति सतर्क और सुरक्षित रहना सभी का दायित्व है। सड़क पर चलते हुए नियमों का पालन, सचेत होकर किया जा सकता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे ने मानव श्रृंखला में सभी को जागरूक करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमो का पालन करके जीवन को सुरक्षित किया जा सकता है। जीवन अनमोल है, सीट बेल्ट का प्रयोग करें, नियमित रूप से हेलमेट का प्रयोग करें और गाड़ी चलाते समय यातायात संबंधित सभी नियमों का पालन करें एवं मोबाइल का प्रयोग कदापि न करें।

एन.सी.सी. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है आंकड़े के अनुसार प्रति वर्ष सड़क दुर्घटना में प्रति दिन सम्पूर्ण विश्व में युवाओं की मृत्यु दर सर्वाधिक 67 प्रतिशत है । छोटी–छोटी बचाव से जीवन को बचाया जा सकता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक शिवम पाण्डेय ने रोड सेफ्टी के अधिकारों और सुरक्षा नियमों के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अपनी शुभकामनाएं दीं। जिसमें प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. डॉ. डी. एस. अजीथा, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल दूबे सहित में समस्त प्राचार्य, अधिष्ठाता, शिक्षकगण एवं कक्षा समन्यव्यक उपस्थित रहें।

मतदाता दिवस : शपथ ग्रहण

शपथ ग्रहण के दौरान डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव एवं विद्यार्थीगण

राष्ट्रीय सेवा योजना -आयुर्वेद भवन

दिनांक : 25 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण कराया गया। लोकतंत्र की असली शक्ति आपका मत है। मतदान के सही सदुप्रयोग वोट की शक्ति से सशक्त राष्ट्र सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है। लोकतंत्र के सशक्त निर्माण में हर वोट जरूरी है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोगों और विश्वस्तरीय गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। विश्वविद्यालय ने लोकतंत्र के महायज्ञ को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने बड़ी पहल की है। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शिविर आयोजित कर 1761 नए मतदाता पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 वर्ष पूरे करने वाले 1300 से अधिक विद्यार्थी पहली बार मतदाता बने हैं। विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता और उत्साह दिखा। 2011 से मतदाता के अधिकारो और नए मतदाता को जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मतदाता दिवस को सम्पूर्ण भारत में मनाया जाता है। आज 14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है।

यह बातें गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय के मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने शपथ ग्रहण समारोह में कहा। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दूबे ने कहा की लोकतंत्र के निर्माण में एक–एक वोट महत्वपूर्ण होता है, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण अभियान के शत–प्रतिशत मतदाता के रिकॉर्ड को पूरा किया है। विश्वविद्यालय में युवा विद्यार्थियों का मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इस अभियान का उद्देश्य मतदान के लिए पात्र नागरिकों को अनिवार्य रूप से मतदाता बनाना है ताकि वे अच्छी पढ़ाई के साथ–साथ मजबूत लोकतंत्र की स्थापना में अपना योगदान दे सकें। एक नागरिक और मतदाता के तौर पर सक्रिय रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। प्रार्थना सभा में सभी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण विश्वविद्यालय के मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने युवा मतदाताओं को लोकतंत्र के शक्ति के प्रति जागरूक कर मतदाता शपथ ग्रहण करवाया। शपथ पत्र के ध्येय शब्द 'हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है की हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओ की मर्यादा को अछूण्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।'

'मतदाता दिवस के शपथ ग्रहण में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने सभी को अपनी शुभकामनाएं दीं।शपथ ग्रहण में प्रमुख रूप से प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विकास यादव, डॉ. कुलदीप सिंह, डॉ. अमित दुबे, धनंजय पाण्डेय सहित सभी विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

मतदाता दिवस : शपथ ग्रहण

शपथ ग्रहण करते हुए विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं

राष्ट्रीय सेवा योजना -नर्सिंग कॉलेज भवन

दिनांक : 25 जनवरी, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं महंत अवेद्यनाथ पैरामेडिकल कॉलेज गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ ग्रहण कराया गया। विश्वविद्यालय में मतदाता दिवस को लेकर विद्यार्थियों में जागरूकता और उत्साह दिखा। मतदाता दिवस राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। यह शपथ बच्चों द्वारा नर्सिंग सभागार में लिया गया।

'हम भारत के नागरिक लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है की हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओ की मर्यादा को अछूण्य रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।' शपथ ग्रहण में प्रमुख रूप से नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डी.एस. अजीथा व पैरामेडिकल कॉलेज के प्राचार्य श्री रोहित कुमार श्रीवास्तव सहित सभी विभाग के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय पर्व : गणतंत्र दिवस समारोह : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

ध्वजारोहण करते हुए माननीय कुलपति महोदय, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

माननीय कुलपति महोदय को गॉड ऑफ ऑनर देते हुए राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स

दिनांक 26 जनवरी, 2024 को 75वें गणतन्त्र दिवस का समारोह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल बाजपेई जी ने ध्वजारोहण कर अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस महापर्व पर राष्ट्रीय एकता, अखंडता, गौरव एवं संविधान में निहित आदर्शों व मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित कर देश व लोकतंत्र की प्रगति में योगदान दें और भारत को पुनः विश्वगुरु एवं विश्वशक्ति के रूप में स्थापित करने का प्रयास करें। हमें अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा, नक्सलवाद, आतंकवाद, गरीबी, बेजोरगारी एवं अशिक्षा जैसी समस्याओं को मिटाने का संकल्प लेना चाहिए। हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों के बताए रास्ते पर चलना चाहिए और उनके आदर्शो को अपनाना चाहिए।

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एम. एस. जी ने झंडा रोहण के साथ एनसीसी कैडेट्स का गार्ड ऑफ ऑनर लिया। डॉ. मंजूनाथ जी ने कहा कि 75वाँ गणतन्त्र दिवस नवभारत के सृजन संकल्प और अमर सेनानियों के स्मरण को समर्पित है। दृढ़ संकल्पित भारत की विकास यात्रा में हम सभी को सहभागी बनना है।

गणतंत्र दिवस समारोह मे सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं छात्राएं एवं विद्यार्थियों को प्रशस्ती–पत्र प्रदान करते माननीय कुलपति

गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा ने कहा की देश की एकता, अखंडता एवं लोकतंत्र की अजेयता को समर्पित गणतंत्र दिवस स्वर्णिम भारत के सृजन और संकल्प की प्रेरणा दे रहा है जिसमे हम सभी को अपना उत्कृष्ठ योगदान समर्पित करना है।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ संदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट्स ने मार्च पास करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दिया। परेड का नेतृत्व कैडेट्स सागर जायसवाल ने किया। परेड में अनुभव, आदर्श मौर्या, आदित्य विश्वकर्मा, अमित कुमार चौधरी, आशुतोष मानी त्रिपाठी, भानु प्रताप सिंह, हर्यस्व कुमार साहनी, कृष्ण त्रिपाठी, मोतीलाल, प्रियेश राम त्रिपाठी, सागर यादव, शिवम सिंह, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, अमृता कन्नौजिया, अंशिका सिंह, खुशी गुप्ता, गौरी कुशवाहा, खुशी, निकिता गौड, पूजा सिंह, ऋतु मौर्या, साक्षी प्रजापति, संजना शर्मा, शालिनी चौहान, श्रद्धा उपाध्याय, अंचल पाठक, अस्मिता सिंह, चांदनी निषाद ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सभी को देश प्रेम के भाव से आह्लादित कर दिया।

मंच संचालन सिद्धार्थ दूबे एवं शगुन शाही ने किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में उत्कर्ष, निधि वर्मा, कनिष्का, शिवम पाण्डेय, अंजु शर्मा एवं एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति सामूहिक नृत्य प्रस्तुति से सभी की देश भक्ति के रंग में रंग दिया। कार्यक्रम के समापन पर सांस्कृतिक एवं विभिन्न प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । गणतंत्र दिवस समारोह में प्रमुख रूप से उप कुलसचिव डॉ. श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अखिलेश कुमार दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. अमित दुबे, धनंजय पाण्डेय सहित समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं एनसीसी कैडेट, छात्र सम्मिलित हुए।

कांगड़ा राष्ट्रीय एडवेंचर कैंप

राष्ट्रीय सेवा योजना

सम्मान प्राप्त करते हुए कार्यक्रम अधिकारी श्री धनन्जय पाण्डेय

एडवेंचर नौकायन करते हुए विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक

दिनांकः 30 दिसम्बर, 2023 से 12 जनवरी, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में चल रहे राष्टीय स्वयं सेवा योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय की एक प्रतिनिधि मंडल 30 दिसंबर 2023 से 12 जनवरी 2024 तक 10 दिवसीय प्रशिक्षण सफल किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अटल बिहारी बाजपेई, इंस्टीट्यूट ऑफ मॉनिटरिंग एंड एलाइड स्पोर्ट्स की ओर से जिला कांगड़ा के जल क्रीड़ा केंद्र पोंग बांध में 1 जनवरी 2024 से लेकर 10 जनवरी 2024 तक बेसिक वाटर स्पोर्ट्स प्रशिक्षण चलाया गया। देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय, महाविद्यालय के चयनित स्वयंसेवक एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने आपदा प्रबंधन और विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को तैयार कर सेवाभाव का प्रशिक्षण दिया गया। साहस और रोमांच से भरा हुआ कांगड़ा का मौसम वातावरण सभी को रोमांचित कर रहा था। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर से राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व में स्वयंसेवक ने सभी साहसिक कार्यों को पूर्ण किया।

क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र कांगड़ा में बेसिक वाटर स्पोर्ट्स कोर्स प्रशिक्षण में तैराकी का कयाकिंग, क्यानोइंग, नौकायन और जल सुरक्षा से बचाव का भी प्रशिक्षण दिया गया। कुशल ट्रेनर्स के नेतृत्व में विद्यार्थी को तैराकी का प्रशिक्षण सिखाया गया साथ ही शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्य उद्देश्यों से सभी को परिचित कराते हुए राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित किया गया।

हिमाचल के प्राकृतिक मनोरम स्थलो का भ्रमण, पर्वतों पर राक कलाबिंग, नदियों में तैराकी जैसे साहसिक कार्यों का प्रशिक्षण पाकर सभी स्वयं सेवक रोमांच से आह्लादित रहें। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वयंसेवकों ने सभी प्रतियोगिताओ में हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दस दिवसीय राष्ट्रीय शिविर में विश्वविद्यालय टीम का अनुशासन प्रथम दिवस से ही सभी अधिकारियों के लिए प्रशंसनीय रहा। एडवेंचर कैम्प में कांगड़ा जिला में स्थिति पोंग बाध एवं प्राकृतिक धार्मिक स्थलों की विस्तृत जानकारी स्वयंसेवकों से साझा किया गया। शिविर में आयोजित प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू कश्मीर और पंजाब के स्वयंसेवकों की टोली ने प्रतिभाग कर सांस्कृतिक कला उत्सव में सभी को मंत्रमुग्ध किया। स्वयंसेवकों की प्रतिदिन तैराकी प्रशिक्षण, कयाकिंग, क्यानोइंग, नौकायन का प्रशिक्षण दिया गया और पांचवा दिन सभी विद्यार्थी को जल सुरक्षा से बचाव का भी प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से आए स्वयंसेवकों ने अपनी सांझी संस्कृति को साझा किया। शिविर के आखिरी कार्य दिवस पर उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी और विद्यार्थियों को बैच और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

मैं धनंजय पाण्डेय महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर राष्ट्रीय स्वयं सेवा में आर्यभट इकाई का कार्यक्रम अधिकारी हूँ। 01 जनवरी 2024 से 10 जनवरी 2024 तक क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र, पोंगडैम, हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसिक शिविर के लिए मुझे कार्यक्रम अधिकारी के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने का दायित्व दिया गया। मेरे लिए अत्यंत गर्व का की बात है कि मुझे इस शिविर में कार्यक्रम अधिकारी रूप सेवा करने का मौका मिला इसके के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल अतुल बाजपेई जी, कुलसचिव आदरणीय डॉ. प्रदीप राव जी, अधिष्ठाता डॉ. सुनील सिंह जी एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवा के समन्वयक अधिकारी डॉ. अखिलेश दुबे जी के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से 5 छात्रों के प्रतिनिधि मंडल के साथ 30 जनवरी को ट्रेन से अपनी यात्रा शुरू करने का सौभाग्य मिला। विद्यार्थियों का मन उत्साह से भरा हुआ था। अंततः हम सभी उत्साह से लबरेज खुशी के साथ अपना शिविर के लिए अपने स्थान पर पहुँचे। शिविर में 3 राज्यों (उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर) से 43 छात्रों को आमंत्रित किया गया था। हमारे शिविर का संचालन प्रशिक्षक विक्रांत सर, प्रशिक्षक बिट्टू राणा सर और प्रशिक्षक दीपक सर ने किया। हमारा शिविर पोंगडैम में आरडब्ल्यूएससी (क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र) में 10 दिनों का था, जो खूबसूरत ब्यास नदी, पोंग बांध और पहाड़ों से घिरा हुआ था, प्राकृतिक मनोरम वातावरण में शिविर का एक-एक पल रोमांचकारी अनुभव से भरा हुआ था। शिविर के दौरान कुशल प्रशिक्षकों के निर्देशन में तैराकी, कायाकिंग, माउंटेन ट्रैकिंग, पाल नाव, राफ्टिंग, ज़िप लाइनिंग और वाटर सर्फिंग को सीखने का अनुभव निरंतर नूतन नवाचारों से हम सभी को रोमांचित कर रहा था। कला और संस्कृति, विविधता में अनेकता के साथ सांस्कृतियों से करीब से जुड़ने, देखने और महसूस करने का अनुभव रोमांचकारी होता था। विभिन्न राज्यों के विभिन्न लोगों से बातचीत कर अपनी संस्कृति को साझा करना भी विद्यार्थियों में सृजन की प्रेरणा देता था।

सर्दियों के दौरान और पहाड़ी इलाके में जहां ठंड हमेशा अपने चरम पर होती है, वॉटर एडवेंचर स्पोर्ट्स करना मेरे लिए वास्तव में एक बड़ा काम था लेकिन प्रशिक्षकों के साथ सहयोग करते रहना भी खुद के लिए भी किसी पाठशाला से कम नही रहा और अंततः हमने पूरे आनंद और ऊर्जा के साथ अपने सभी विद्यार्थियों को नवाचार सृजन के लिए प्रेरणा संकल्प देना भी अभिन्न अंग बन गया था। अंततः 10वें दिन हमारा समापन समारोह हुआ जिसमें संस्थान के वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा जल क्रीड़ाओं की सराहना का बैज लगाकर हम सभी को उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए सम्मानित किया गया। अनुशासन, सांस्कृतिक प्रस्तुति और एडवेंचर में श्रेष्ठता के लिए निर्णायक मंडल द्वारा उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। जिससे हम सभी का उत्साह और रोमांच अपने शीर्ष पर रहा। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का मनोबल देखते हुए वहा के सभी अधिकारी प्रशिक्षक ने सभी की हौसला अफजाई करते हुए विश्वविद्यालय के पूरी टीम की सम्मानित किया ।

अंत में मैं यही कहना चाहूँगा कि यह सचमुच मेरे जीवन की अद्भुत स्मृति है। खट्टे मीठे अनुभव के साथ यह यात्रा अपने विश्राम स्थल पर पहुंची। नए उत्साह और सृजन के संकल्प से मुझे यह अद्भुत अवसर और सेवा करने का मौका मिला। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय सेवा योजना जब भी मुझे किसी कार्य योजना को पूर्ण करने का निर्देश होगा उसे पूरा कर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करूँगा।

खुशी वर्मा

अनुभव

मैं खुशी वर्मा, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की द्वितीय व्यावसायिक वर्ष की बीएएमएस स्कॉलर, जो राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय हूँ मुझे एनएसएस के एडवेंचर कैंप हिमाचल प्रदेश 2024 के लिए चयनित होने का सुनहरा अवसर मिला।

मैं विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडे के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। यह शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ पोंग बांध, हिमाचल प्रदेश तक 10 दिनों का एक बहुत ही रोमांचक और रोमांचकारी अनुभव रहा। यह क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र (आरडब्ल्यूएससी) खटियार में आयोजित किया गया था। यहां मुझे गतिविधियों की पूरी नई शैली का अनुभव करने का अवसर मिला जो मैंने पहले कभी नहीं किया था। इसमें माउंटेन ट्रैकिंग, वॉटर स्पोर्ट्स, तैराकी, राफ्टिंग, कायाकिंग, नौकायन, सर्फिंग आदि शामिल थे। मैंने इस पूरी श्रृंखला की प्रत्येक गतिविधियों में भाग लेने और अपनी सीमाओं से परे जाने और एक नए रूप को जानने के विशेषाधिकार के रूप में लिया।

प्रत्येक सूर्योदय नए और साहसिक अनुभवों की शुरुआत का प्रतीक था। सुबह 5:30 बजे जागने का उत्साह इतने ठंडे मौसम में अन्य सह-स्वयंसेवकों के साथ मैदान में इकट्ठा होना बहुत रोमांचकारी था। सुबह लंबे समय तक व्यायाम, ट्रैकिंग, ज़िप-लाइन, पहाड, झील, मौसम, सूर्योदय देखने के लिए जिन पगडंडियों का हम अनुसरण करते थे, सब कुछ बहुत सुंदर था। यह अंत नहीं है बल्कि शाम के मिलन समारोह और अलाव की आग ने मुझमें हिमाचल और जम्मू की खूबसूरत संस्कृति का सार छोड़ दिया।

इसलिए निष्कर्षतः यह शिविर मेरे लिए एक संपूर्ण अनुभव था और इसने मेरे व्यक्तित्व को बेहतर पहलू में बदलने के लिए एक प्रेरक के रूप में काम किया और अपनी सीमा से परे जाने की सीख दी।

सुशांत कुमार सिंह

अनुभव

मैं सुशांत कुमार सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के बीएएमएस 2 प्रोफेशनल का छात्र हूं। इस विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 8 इकाइयाँ हैं जिनमें से मैं मत्स्येन्द्रनाथ इकाई में हूँ। एक एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में मुझे कार्यक्रम समन्यवयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे एवं कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडे और एनएसएस के मार्गदर्शन में 1 जनवरी 2024 से 10 जनवरी 2024 तक दस दिवसीय राष्ट्रीय साहसिक शिविर (आरडब्ल्यूएससी पोंगडैम हिमाचल प्रदेश) में शामिल होने का अवसर मिला।

30 दिसम्बर 2023 को मेरे सहित पाँच स्वयंसेवक गोरखपुर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए और 1 जनवरी को हम अपने स्थान पर पहुँचे। यह हमारी आंखों के सामने एक बांध के साथ एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली जगह थी। इस शिविर में विभिन्न राज्यों जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के स्वयंसेवक भी थे।

यह एक रोमांचकारी अनुभव था क्योंकि यह एक जल क्रीड़ा साहसिक शिविर था। हमने विभिन्न जल खेलों जैसे राफ्टिंग, कायाकिंग, तैराकी, वॉटर सर्फिंग, माउंटेन ट्रैकिंग, नौकायन के बारे में सीखा और इन सभी चीजों को करने के बाद विभिन्न राज्यों के सभी स्वयंसेवक सुबह 6 बजे और रात का खाना खाने के बाद अलाव के पास इकट्ठा होते थे। हम अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए व्याख्यान कक्ष में जाते थे। खाना अच्छा था और रहने की व्यवस्था भी बहुत अनुकूल थी। मुझे कई नए लोगों से मिलने का मौका मिला जिससे मुझे न केवल अपने संचार कौशल विकसित करने में बल्कि विभिन्न राज्यों की संस्कृति को समझने में भी मदद मिली।

हम हर रोज सुबह 5 बजे उठते थे और फिर अपने दैनिक व्यायाम के लिए जाते थे। उसके बाद हमारी गतिविधियाँ चलती रहती थी। यह वास्तव में एक अनोखा और नया अनुभव था। ये चीजें अत्यधिक अनुभवी पेशेवरों द्वारा सिखाई गईं जो हमारे प्रशिक्षक थे।

मुझे ऐसा अवसर देने के लिए मैं अपने विश्वविद्यालय और एनएसएस इकाई का सदैव आभारी रहूंगा। एनएसएस केवल एक इकाई नहीं है, यह देश को एकजुट करने वाला समूह है। मैं निश्चित रूप से भविष्य में ऐसे अवसरों की प्रतीक्षा में हूं।

नित्या सिंह

मैं कुमारी नित्या सिंह महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय (उत्तर प्रदेश) की बीएएमएस द्वितीय वर्ष की छात्रा और मत्स्येंद्रनाथ इकाई की एनएसएस स्वयंसेवक हूं। 1 जनवरी से 10 जनवरी तक क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र, पोंगडैम, हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसिक शिविर के लिए चयनित होना मेरे लिए गर्व की बात है। सबसे पहले मैं एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे और हमारे कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडे को इस शिविर के लिए मेरा चयन करने के लिए और डॉ. शांति भूषण सर, डॉ. दीपू मनोहर सर को हमारा मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त करना चाहती हूं और मैं उन्हें भी धन्यवाद देना चाहती हूं। हमें सर्वोत्तम उपयुक्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमारे क्षेत्रीय निदेशक परिणाम स्वरूप हम एमजीयूजी के पांच छात्र थे, और हमारे कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडे ने 30 तारीख की रात को हमारी ट्रेन यात्रा शुरू की, उत्साह और थोड़ा डर और चिंता से भरी हुई। अंततः हम बहुत ऊर्जा के साथ अपने स्थान पर पहुंचे और अपना शिविर शुरू करने के लिए उत्सुक थे। उस शिविर में 3 राज्यों (उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर) से 43 छात्रों को आमंत्रित किया गया था। हमारे शिविर का नेतृत्व प्रशिक्षक विक्रांत सर, प्रशिक्षक बिट्टू राणा सर और प्रशिक्षक दीपक सर ने किया।

हमारा शिविर पोंगडैम, आरडब्ल्यूएससी (क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र) में 10 दिनों का था, जो एक सुरम्य ब्यास नदी, एक बांध और कई पहाड़ों से घिरा हुआ था। उस शिविर के दौरान, हमने तैराकी, कायाकिंग, माउंटेन ट्रैकिंग, नाव नौकायन, राफ्टिंग, ज़िप-लाइन और सर्फिंग जैसी बहुत सी चीजें सीखीं। हमारी दैनिक सुबह की दिनचर्या कुछ व्यायाम से शुरू होती है। वहां से हम सर्दियों में किसी भी कार्य से निपटने के लिए गर्म हो जाते हैं। उसके बाद दिन के समय हम अपने प्रशिक्षकों द्वारा निर्देशित सभी गतिविधियाँ करते थे और उसमें, हमने वाटर स्पोर्ट्स, माउंटेन ट्रैकिंग और ज़िप लाइनिंग के बारे में बहुत कुछ सीखा। जहाँ हमें विभिन्न सांस्कृतियों के बारे में जानने और कई राज्यों के विभिन्न लोगों के साथ बातचीत करने का मौका मिला। सर्दियों में वॉटर एडवेंचर स्पोर्ट्स करना मेरे लिए एक जबरदस्त चुनौती है, खासकर पहाड़ी इलाकों में जब ठंड लगातार अपने चरम पर होती है। लेकिन मैं सभी शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं जिसने पानी के प्रति मेरे भय को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। लेकिन, आख़िरकार, हमने बहुत आनंद और जोश के साथ सभी काम पूरे किए। अंत में दसवें दिन एक समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें हमें संस्थान के एक वरिष्ठ प्रशिक्षक से बुनियादी जल खेलों की सराहना मिली। अंत में मैं कहना चाहूंगा कि यह मेरी अब तक की सबसे अच्छी यादें हैं। मैं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडे के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस अवसर ने मुझ पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

शुभंकर वत्स

अनुभव

मैं शुभांकर वत्स, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के बीएएमएस द्वितीय प्रोफेशनल का छात्र हूं। इस विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की 8 इकाइयाँ हैं जिनमें से मैं मत्स्येन्द्रनाथ इकाई में हूँ। एक एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में मुझे हमारे कार्यक्रम अधिकारी धनंजय पांडे और एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. के मार्गदर्शन में 1.1.2024 से 10.1.2024 तक दस दिनों के राष्ट्रीय साहसिक शिविर (आरडब्ल्यूएससी पोंगडैम हिमाचल प्रदेश) में शामिल होने का अवसर मिला।

30.12.2023 को मेरे सहित पाँच स्वयंसेवक गोरखपुर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए और 1 जनवरी को हम अपने स्थान पर पहुँचे। यह हमारी आंखों के सामने एक बांध के साथ एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली जगह थी। इस शिविर में विभिन्न राज्यों जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश के स्वयंसेवक भी थे।

यह एक रोमांचकारी अनुभव था क्योंकि यह एक जल क्रीड़ा साहसिक शिविर था। हमने विभिन्न जल खेलों जैसे राफ्टिंग, कायाकिंग, तैराकी, वॉटर सर्फिंग, माउंटेन ट्रैकिंग, नौकायन के बारे में सीखा और इन सभी चीजों को करने के बाद विभिन्न राज्यों के सभी स्वयंसेवक सुबह 6 बजे और रात का खाना खाने के बाद अलाव के पास इकट्ठा होते थे। हम अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए व्याख्यान कक्ष में जाते थे। खाना अच्छा था और रहने की व्यवस्था भी बहुत अनुकूल थी। मुझे कई नए लोगों से मिलने का मौका मिला, जिससे मुझे न केवल अपने संचार कौशल विकसित करने में बल्कि विभिन्न राज्यों की संस्कृति को समझने में भी मदद मिली।

हम हर रोज सुबह 5 बजे उठते थे और फिर अपने दैनिक व्यायाम के लिए जाते थे। उसके बाद हमारी गतिविधियाँ चलती रहती थीं। यह वास्तव में एक अनोखा और नया अनुभव था। ये चीजें अत्यधिक अनुभवी पेशेवरों द्वारा सिखाई गईं जो हमारे प्रशिक्षक थे।

मुझे ऐसा अवसर देने के लिए मैं अपने विश्वविद्यालय और एनएसएस इकाई का सदैव आभारी रहूंगा। एनएसएस केवल एक इकाई नहीं है, यह देश को एकजुट करने वाला समूह है। मैं निश्चित रूप से भविष्य में ऐसे अवसरों की प्रतीक्षा में हूं।

प्रिंस प्रशांत गुप्ता

मैं प्रिंस प्रशांत गुप्ता, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, उत्तर प्रदेश का बीएएमएस द्वितीय वर्ष की छात्रा और मत्स्येन्द्रनाथ इकाई का एनएसएस स्वयंसेवक हूं। 01 जनवरी 2024 से 10 जनवरी 2024 तक क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र, पोंगडैम, हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसिक शिविर के लिए चयनित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है। सबसे पहले मैं इस शिविर के लिए मुझे चुनने के लिए हमारे विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रमुख डॉ. अखिलेश दुबे सर और हमारा मार्गदर्शन करने के लिए डॉ. शांतिभूषण सर, डॉ. दीपू मनोहर सर को धन्यवाद देना चाहता हूं साथ ही हमारे क्षेत्रीय निदेशक को भी धन्यवाद देना चाहता हूं।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से हम 5 छात्रों ने हमारे कार्यक्रम अधिकारी श्री धनंजय पांडे सर के साथ 30 दिसम्बर की रात से ट्रेन से अपनी यात्रा शुरू की, मन उत्साह से भरा था और थोड़ा डर भी था। अंततः हम पूरे उत्साह और खुशी के साथ अपना शिविर के लिए अपने स्थान पर पहुँचे। उस शिविर में 3 राज्यों (उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर) से 43 छात्रों को आमंत्रित किया गया था। हमारे शिविर का संचालन प्रशिक्षक विक्रांत सर, प्रशिक्षक बिटटू राणा सर और प्रशिक्षक दीपक सर ने किया।

हमारा शिविर पोंगडैम में आरडब्ल्यूएससी (क्षेत्रीय जल क्रीड़ा केंद्र) में 10 दिनों का था, जो खूबसूरत ब्यास नदी, पोंग बांध और पहाड़ों से घिरा हुआ था, जहां हमारा शिविर था, उस शिविर के दौरान हमने तैराकी, कायाकिंग, माउंटेन ट्रैकिंग, पाल नाव, राफ्टिंग, ज़िप लाइनिंग और वाटर सर्फिंग जैसी कई चीजें सीखीं। हमारी दिनचर्या सुबह के व्यायाम से शुरू होती थी जिससे हम सर्दियों में किसी भी कार्य को करने के लिए खुद को तैयार करते थे, उसके बाद दिन में हम अपने प्रशिक्षकों द्वारा निर्देशित सभी गतिविधियाँ करते थे और इसमें हम पानी के खेल, पर्वत ट्रैकिंग और जिप लाइनिंग के बारे में बहुत कुछ सीखें। शाम के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम होते थे जहां हमें विभिन्न सांस्कृतियों के बारे में जानने और विभिन्न राज्यों के विभिन्न लोगों से बातचीत करने का मौका मिला। सर्दियों के दौरान और पहाड़ी इलाके में जहां ठंड हमेशा अपने चरम पर होती है, वॉटर एडवेंचर स्पोर्ट्स करना मेरे लिए वास्तव में एक बड़ा काम था लेकिन मैं सभी प्रशिक्षकों को इतने अच्छे मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूं कि पानी से मेरा डर वास्तव में दूर हो गया और अंततः हमने पूरे आनंद और ऊर्जा के साथ अपने सभी कार्य पूरे कर लिए। अंततः 10वें दिन हमारा समापन समारोह हुआ जिसमें हमें उस संस्थान के वरिष्ठ प्रशिक्षक द्वारा जल क्रीड़ाओं की सराहना का बैज मिला।

अंत में मैं यही कहना चाहूँगा कि यह सचमुच मेरे जीवन की अद्भुत स्मृति है। मुझे यह अद्भुत अवसर देने के लिए हमारे एनएसएस प्रमुख डॉ. अखिलेश दुबे सर को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहूंगा और यात्रा की शुरुआत से यात्रा के अंत तक हमारा मार्गदर्शन करने के लिए हमारे कार्यक्रम अधिकारी श्री धनन्जय पांडेय सर को भी धन्यवाद देना चाहूंगा और भविष्य में भी ऐसे अवसर पाकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस करूँगा।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह महोत्सव 2024 (12 जनवरी से 16 जनवरी) नासिक, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रेसवार्ता के दौरान केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल विकास युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान डॉ. विकास एवं विद्यार्थीगण

दिनांक : 11 जनवरी 2024 को नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित : केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल विकास युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने नासिक में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए युवा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम की जानकारी दी। श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के 161वीं जन्म जयंती पर महाराष्ट्र के नासिक में आगामी 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कुंभ की नगरी में कल पूरे देश से आए हुए युवाओं का मेला लगेगा। जिसके मुख्य अतिथि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी होंगे। इस दौरान एक लाख से ज्यादा युवाओं की भागीदारी में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री समेत कई मंत्री शामिल रहेंगे। कल के कार्यक्रम का थीम युवाओं के लिए युवाओं के द्वारा रखा गया है। कल सभी युवा यहां एकत्रित होकर आगामी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेंग' आगे बोलते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा 'कल जहां एक ओर प्रधानमंत्री जी को सुनने के लिए प्रत्यक्ष तौर पर एक लाख से ज्यादा युवा रहेंगे वहीं दूसरी ओर देश के सभी जिलों के युवा लाइव कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा प्रधानमंत्री को सुनेंगे। देश के सभी जिलों यानी 750 से ज्यादा जिलों में युवा महोत्सव से जुड़े भव्य आयोजन किए जाएंगे। और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रही 12 से 16 जनवरी तक आयोजित विश्वविद्यालय की टीम में प्रतिभाग किया और राष्ट्रीय सेवा योजन के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव के नेतृत्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक आलोक सिंह एवं विजय चौधरी प्रतिभागी रहें।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह महोत्सव 2024 (12 जनवरी से 16 जनवरी) नासिक, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सेवा योजना :राष्ट्रीय युवा महोत्सव

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के उद्घाटन समारोह के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व अन्य अतिथिगण

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के दौरान डॉ. विकास एवं विद्यार्थीगण

दिनांक : 12 जनवरी 2024 को नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित : 27 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रही 12 से 16 जनवरी, 2024 तक आयोजित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की टीम नें प्रतिभाग किया जिसमें कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक आलोक सिंह एवं विजय चौधरी प्रतिभागी रहें और भारत के महापुरुषों में से एक स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती पर आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की गरिमामयी उपस्थिति, ओजस्वी संबोधन व अर्थपूर्ण मार्गदर्शन में आज नासिक में भव्य राष्ट्रीय युवा दिवस का कार्यक्रम आयोजित हुआ। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने अपने विचार व वक्तव्य से हमारे युवाओं को संबोधित किया। और विकसित भारत निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया

राष्ट्रीय युवा सप्ताह महोत्सव 2024 (12 जनवरी से 16 जनवरी) नासिक, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सेवा योजना : सुविचार कार्यक्रम

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में डॉ. विकास यादव एवं डॉ. सुमन्त कुमार यादव

दिनांक : 13 जनवरी 2024 को नासिकए महाराष्ट्र में आयोजित 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रही 12 से 16 जनवरी, 2024 तक आयोजित उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजन के कार्यक्रम अधिकारी ने एनएसएस डायरेक्टर अधिकारी के साथ युवाओं को संबोधित किया और विकसित भारत निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए युवाओ के बीच अपनी सुविचार रखा और प्रेरित किया। जिसमें सुविचार हाल में सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारिओ को मंच पर बुला के संबोधित किया। जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव मौजूद रहे और उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक भी प्रतिभागी रहें।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह महोत्सव 2024 (12 जनवरी से 16 जनवरी) नासिक, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सेवा योजना : एडवेंचरस

प्रशस्ती पत्र के साथ स्वयंसेवक

दिनांक : 14 जनवरी 2024 को नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रहे 12 से 16 जनवरी, 2024 तक साहसिक चुनौती (एडवेंचरस) स्पोर्ट क्लाइंबिंग प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के 70 स्वयंसेवक भी मौजूद रहें। जिसमें से 30 लोगों ने प्रमाणपत्र हासिल किया और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के आलोक सिंह एवं विजय चौधरी ने प्रतिभाग किया। जो की ग्रेड, प्रमाणपत्र हासिल किए और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक प्रतिभागी रहें।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह महोत्सव 2024 (12 जनवरी से 16 जनवरी) नासिक, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सेवा योजना : खशाबा दादासाहेब जाधव जन्मोत्सव कार्यक्रम

सम्बोधित करते हुए अभिनेता राहुल बोस

दिनांक : 15 जनवरी 2024 को नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रहें 12 से 16 जनवरी, 2024 तक के राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में युवाओं के बीच बहुमुखी और प्रतिभाशाली अभिनेता राहुल बोस ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव की शोभा बढ़ाई। उन्होंने पहले ओलंपियन व्यक्तिगत पदक विजेता पहलवान श्री के. डी. जाधव को समर्पित सुविचार कार्यक्रम के दौरान युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपने जीवन के अनुभवों और उपलब्धियों को सुविचार रखा और आज के ही दिन महाराष्ट्र में खशाबा दादा साहेब जाधव के जन्मोत्सव मनाया गया और महाराष्ट्र में 15 जनवरी को क्रीड़ा दिवस मनाने की घोषणा भी की गई और इस कार्यक्रम में आगरा कॉलेज के स्वयंसेवक भी मौजूद रहें। जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक आलोक सिंह एवं विजय चौधरी, राष्ट्रीय सेवा योजन के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक प्रतिभागी रहें।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह महोत्सव 2024 (12 जनवरी से 16 जनवरी) नासिक, महाराष्ट्र

राष्ट्रीय सेवा योजना :राष्ट्रीय युवा महोत्सव

स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर मार्ल्यापण करते हुए श्री संजय वनसोडे जी

दिनांक : 16 जनवरी 2024 को नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रहे 12 से 16 जनवरी, 2024 तक के समापन समारोह हुआ जिसमें गणमान्य मोहदय श्री संजय बनसोडे, माननीय वाईएएस मंत्री, श्री दादाजी भुसे माननीय संरक्षक मंत्री, डॉ. सुहास दिवसे, आयुक्त, वाईएएस महाराष्ट्र और श्रीमती वनिता सूद सम्मानित नेताओं के द्वारा युवाओ को अलग–अलग प्रतिभागिओं को सम्मानित किया गया और राष्ट्रीय सेवा योजन के बारे में युवाओ के बीज सुविचार रखा गया और सभी विश्वविद्यालय के युवाओ को प्रमाण पत्र दें कर सम्मानित किया जिसमें महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के दो स्वयंसेवक आलोक सिंह एवं विजय चौधरी को 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव प्रतिभागी प्रमाण पत्र और साहसिक चुनौती स्पोर्ट क्लाइंबिंग (एडवेंचर्स) प्रमाण पत्र से सम्मानित हुए जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉण् विकाश कुमार यादव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक प्रतिभागी रहें।

Sahyadri Farms Post Harves

Sahyadri Farms Post
vest Care Ltd.

बिहारी
सतसई

Sahyadri
farms

WELCOME
TO
ALL DELEGATES

मैं डॉ. विकाश कुमार यादव महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनएसएस परिजात इकाई के कार्यक्रम अधिकारी हूँ। अतरू मैं बताना चाहता हूँ की चल रहे । 27वे राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम नासिक महाराष्ट्र में हो रहे 12 से 16 जनवरी 2024 के बीच उत्तर प्रदेश का कार्यक्रम उत्तम रहा। प्रदेश स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के 60 स्वयं सेवकों का भारत सरकार की तरफ से चयन किया गया था, जिसमे 6 कांटीजेंटल लीडर चयनित किये गए थे। उत्तर प्रदेश के स्वयंसेवक अपने आप मे अनूठा प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन करने में कोई कोर कसर नही छोड़ी, नाशिक शहर अपने आप मे एक विकसित शहर होने के कारण वहां की प्रत्येक व्यवस्था अपने आप में अद्वितीय रही और हमारे साथ उत्तर प्रदेश के 5 विभागीय साथियों के सहयोग से राष्ट्रीय सेवा योजना का झंडा नाशिक शहर में बुलंद हुआए जो महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, के दो स्वयं सेवक आलोक सिंह एवं विजय चौधरी ने इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश के सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय स्तर का प्रमाण पत्र भी मिला। पूड़े रीजनल डायरेक्टर श्री शिंदे जी एवं एनएसएस अधिकारियों की टीम का बहुत सहयोग मिला। मैं अपने सभी भारत सरकार के रीजनल एवं राज्य सरकार ब्यूरो गोरखपुर 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव कार्यक्रम नासिक महाराष्ट्र में हो रहे 12 से 16 जनवरी के बीच उत्तर प्रदेश का कार्यक्रम उत्तम रहा। नाशिक शहर अपने आप मे एक विकसित शहर होने के अधिकारियों की मूरिभूरि प्रशंसा करते हुए बधाई, उनकें बताए हुए निर्देशन में प्रदेश टीम अपना बहुमूल्य योगदान नासिक में दे सकी और स्वयंसेवकों का सर्वांगीण विकास राष्ट्रीय स्तर पर हो सका है। और कार्यक्रम संचालन केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल वि युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर मौजूद रहे और युवा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यक्रम की जानकारी दिए। जिसमें मुख्य अतिथि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आपने विचार व वक्तव्य हमारे युवाओं को संबोधित किया और विकसित भारत निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस दौरान एक लाख से ज्यादा युवाओं की भागीदारी में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री समेत कई मंत्री शामिल रहे। और चल रहे नासिक में अलग-अलग स्टॉल लगा हुआ था जिसमें कृषि से संबन्ध, आयुर्वेद, धार्मिक किताबें, मिट्टी से बनी मूर्ति भी लगे हुई थी और हमारे उत्तर प्रदेश के 60 स्वयंसेवकों ने 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव प्रतिभाग रहे जिसमें कानपुर, लखनऊ, फ़िरोज़ाबाद, मथुरा, बनारस, अयोध्या, आगरा, प्रतापगढ़ और गोरखपुर के दो स्वयंसेवक आलोक सिंह एवं विजय चौधरी भी रहे। अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ प्रशासन और अपने विश्वविद्यालय के प्रशासन कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, कृषि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विमल कुमार दुबे और एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे जी को धन्यवाद ज्ञपित करता हूँ। कि 27 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव, नासिक, महाराष्ट्र में चल रहे। मुझे अपने विश्वविद्यालय को प्रतिनिधित्व करने का मौक़ा दिया।

मैं आलोक सिंह जो महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर के एनएसएस स्वयंसेवक हूँ । मैं बताना चाहता हूँ की चल रहें 12 से 16 जनवरी 2024 तक नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में सभी अलग-अलग राज्य के विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के टीम कार्यक्रम अधिकार एवं स्वयंसेवक भी प्रतिभाग रहें। और आयोजित केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल वि युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर मौजूद रहे और युवा दिवस के अवसर पर जिसमें मुख्य अतिथि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आपने विचार व वक्तव्य हमारे युवाओं को संबोधित किया और विकसित भारत निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए युवाओ को प्रेरित किया। इस दौरान एक लाख से ज्यादा युवाओं की भागीदारी में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री समेत कई मंत्री शामिल रहे और मैने साहसिक चुनौती स्पोर्ट क्लाइंबिंग आयोजित में प्रतिभाग किया था जिसमें ए ग्रेड प्रमाणपत्र प्राप्त हासिल किया और दिनांक 15 कों एनएसएस के बारे में युवाओं के बीज सुविचार रखा इस दिन महाराष्ट्र में खशाबा दादासाहेब जाधव के जन्मोत्सव मनाया गया। दिनांक 16 जनवरी 2024 कों समापन समारोह था। जिसमें गणमान्य मोहदय श्री संजय बनसोडे, माननीय वाईएएस मंत्री, श्री दादाजी भुसे, माननीय संरक्षक मंत्री, डॉ. सुहास दिवसे, आयुक्त, वाईएएस महाराष्ट्र और श्रीमती सहित सम्मानित नेताओं की उपस्थिति से सम्मानित किया गया और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में युवाओ के बीज सुविचार रखा और सभी विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक को प्रमाण पत्र दें कर सम्मानित किया हमारे साथ में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव सर रहें। और राष्ट्रीय युवा महोत्सव चल रहे नासिक, महाराष्ट्र सरकार को बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ और ओहा पर कृषि से संबंधित जानकारी लिए आयुर्वेद की बनी प्रोडक्ट्स को जाना आदि। अंत में मैं अपने विश्वविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. विकाश कुमार यादव सर और डॉ. विमल कुमार दूबे सर को तहें दिल से धन्यवाद ज्ञपित करता हूँ। कि 27वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव, नासिक, महाराष्ट्र में चल रहे । मुझे अपने विश्वविद्यालय को प्रतिनिधित्व करने का मौक़ा दिया।

मैं विजय चौधरी, राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयंसेवक महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयए गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का हिस्सा होने के लिए आभारी हूं यह मेरे लिए गर्व की बात है कि नाशिक, महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रदेश एवं विश्वविद्यालय, महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। मैं सर्वप्रथम क्षेत्रीय निर्देशक महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, कार्यक्रम समन्वय डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, इकाई अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव सर का धन्यवाद ज्ञापन करना चाहूंगा जिन्होंने मुझे इस उत्सव में प्रतिभागिता होते चुना और प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया। तत्पश्चात कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश यादव सर, डॉ. एफन मिश्र सर, डॉ. आलोक सर, डॉ. गीता मैम, डॉ. सपना मैम, डॉ. संगीता मैम के मार्गदर्शन, अटूट विश्वास एवं प्रोत्साहन करने हेतु उन्हें धन्यवाद ज्ञपित करना चाहता हूं जिन्होंने सदैव मुझे अधिक करने हेतु प्रेरित किया। अतः मैं अपनी प्रस्तावना रखता हूँ। की चल रहें 12 से 16 जनवरी 2024, तक नासिक, महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में सभी अलग-अलग राज्य के विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के टीम कार्यक्रम अधिकार एवं स्वयंसेवक भी प्रतिभाग रहें और आयोजित केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल वि युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर मौजूद रहे। जिसमें मुख्य अतिथि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने आपने विचार व वक्तव्य हमारे युवाओं को संबोधित किए और विकसित भारत निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए युवाओ को प्रेरित किए। इस दौरान एक लाख से ज्यादा युवाओं की भागीदारी में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री समेत कई मंत्री शामिल रहे और मैने साहसिक चुनौती स्पोर्ट क्लाइंबिंग आयोजित में प्रतिभाग किया था जिसमें ए ग्रेड प्रमाणपत्र प्राप्त हासिल किया । दिनांक 16 जनवरी 2024 कों समापन समारोह था। जिसमें गणमान्य मोहदय श्री संजय बनसोडे, माननीय वाईएएस मंत्री, श्री दादाजी भुसे, माननीय संरक्षक मंत्री, डॉ. सुहास दिवसे, आयुक्त, वाईएएस महाराष्ट्र और श्रीमती सहित सम्मानित नेताओं की उपस्थिति से सम्मानित किया गया और राष्ट्रीय युवा महोत्सव में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में युवाओ के बीज सुविचार रखा और सभी विश्वविद्याल, महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक को प्रमाण पत्र दें कर स्मानित किया हमारे साथ में राष्ट्रीय सेवा योजन के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विकाश कुमार यादव सर रहे और राष्ट्रीय युवा महोत्सव चल रहे नासिकए महाराष्ट्र सरकार को बहुत-बहुत आभार ज्ञत करता हूँ कि जो हम लोगो को इतनी अच्छा व्यवस्था दिया और महोत्सव में चल रहे अलग-अलग देशों का सांस्कृतिक के बारे में जाना और ओहा पर कृषि से संबंधित जानकारी लिए आयुर्वेद मिट्टी की बनी मूर्ति और आदि। मैं अपने विश्वविद्यालय के एनएसएस अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, डॉ. विकाश कुमार यादव सर और डॉ. विमल कुमार दूबे सर को तहें दिल से धन्यवाद ज्ञपित करता हूँ । कि 27वें राष्ट्रीय युव महोत्सवए नासिक, महाराष्ट्र में चल रहे । मुझे अपने विश्वविद्यालय को प्रतिनिधित्व करने का मौक़ा दिया। अंत में मैं अपने वरिष्ठ, मित्रों और सहयोगियों को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने इन कठिन परिस्थितियों में भी मेरा साथ नहीं छोड़ा और साथ ही साथ मेरा प्रोत्साहन बढ़ाने में विशेष भूमिका निभाई। पुनः दिल की गहराइयों से बहुत.बहुत आभार ...!

हिंदुत्व की आध्यात्मिक ज्योति पुंज हैं विवेकानंद

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। राष्ट्रीय युवा दिवस पर विवि में एनसीसी की 102 यूपी बटालियन द्वारा दौड़, लांग जंप और रस्सा खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि विवेकानंद का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। स्वामी विवेकानंद हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी के एएनओ डॉ. हरी कृष्ण और सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने प्रतियोगिता की निगरानी की। इसमें दौड़, लंबी कूद व रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज व गर्ल्स कैडेट ने प्रतिभाग किया।

भारत को विकसित बनाने में अपना योगदान दें युवा

गोरखपुर। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा गोरखपुर महानगर द्वारा युवा मतदाता, भारत का भाग्य विधाता विषय पर कार्यक्रम बेनीगंज स्थित पार्टी कार्यालय पर आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने सबसे पहले स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण किया।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योति पुंज हैं स्वामी विवेकानंदः डॉ प्रदीप राव

☐ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस
☐ एनसीसी कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग

स्वतंत्र चेतना
नगर संवाददाता/ गोरखपुर।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़, लांग जंप और रस्सा खीच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सी.टी.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारंभ किया।

हिंदुत्व के आध्यात्मिक ज्योति पुंज हैं स्वामी विवेकानंद

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर लंबी कूद व रस्सा खींच प्रतियोगिता भी हुई

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेटों की ओर से राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर लंबी कूद और रस्सा खींच प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कैडेटों को संबोधित करते हुए कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने संपूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। वह हिंदुत्व, आध्यात्म, तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है।

सेंट एंड्रयूज कालेज में युवा दिवस के अवसर पर जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली कालेज से परिसर से निकलकर टाउनहाल, गणेश चौक, आंबेडकर चौक होते हुए फिर परिसर में ही आकर समाप्त हुई। रैली को प्राचार्य ने हरी झंडी दिखा रवाना किया। इस दौरान डा. सुचिता इलायस, डा. सुषमा श्रीवास्तव, डा. रश्मि, संगीता मिश्रा, डा. मोनी जेवियर, डा. आराधना सेरीन दत्त आदि ने अपने विचार रखे। प्रो. सीपी गुप्ता, प्रो. सुशील कुमार राय, प्रो. जेके पांडेय, डा. विकास सरकार आदि मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव व एनसीसी कैडेट • विश्वविद्यालय प्रशासन

भारत को विकसित बनाने में योगदान दें युवा : सहजानंद राय

गोरखपुर : स्वामी विवेकानंद की जयंती पर भाजयुमो की महानगर इकाई ने भाजपा के बेनीगंज कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के जीवन से युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने अपील की कि युवा भारत को विकसित बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष सत्यार्थ मिश्रा ने की। इस दौरान अखिकेश धर दुबे, उमेश अग्रहरी, आनंद मिश्र, राजेश पांडेय, हर्ष श्रीवास्तव, रजत गुप्ता, कर्मवीर सिंह, शशांक द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

आयु से नहीं विचारों से युवा होता है व्यक्ति : महापौर

गोरखपुर : महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि शिशु मंदिर की सोच ये नहीं है की मशीनी मानव पैदा करें बल्कि इनका उद्देश्य यह भी है की विवेकानंद जैसे वीरों को तैयार करें। वह शुक्रवार को सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग में स्वामी विवेकानंद जयंती पर पक्कीबाग संकुल के 'पूर्व छात्र सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य विशाल त्रिपाठी ने कहा कि आज जिस स्थान पर मैं हूं और मेरे भीतर जो शिक्षा व संस्कार है। प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने कहा सरस्वती शिशु मंदिर ही ऐसा विद्या का मंदिर है, जो शिक्षा के साथ संस्कार भी प्रदान करता है।

विश्व में भारतीय संस्कृति के संवाहक थे स्वामी विवेकानंद

गोरखपुर : जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट अजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद विश्व में भारतीय संस्कृति के संवाहक थे। स्वामी जी ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवाओं को 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रेरित कर रहे है। वह शुक्रवार को भारत स्काउट और गाइड्स उप्र के तत्वावधान में अयोध्या दास स्काउट कुटीर में विवेकानंद की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

चित्रगुप्त मंदिर में मनी स्वामी विवेकानंद की जयंती

गोरखपुर : स्वामी विवेकानंद की 161वीं जयंती पर चित्रगुप्त मंदिर सभा बख्शीपुर के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर याद किया। मंदिर सभा के अध्यक्ष आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। राष्ट्रभक्ति का अलख जगाने वाले स्वामी विवेकानंद हमारे आदर्श हैं और युगों-युगों तक याद रहेंगे। इस अवसर पर मंदिर सभा के मंत्री शुभेन्दु सिंह श्रीवास्तव, विवेक कुमार अस्थाना, अमन श्रीवास्तव, गुड्डू श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, पिंटू, शानू श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव गुड्डू, शिवचरण आदि मौजूद रहे।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद : डॉ. प्रदीप राव

☛ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

☛ एनसीसी कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग

संवाददाता

गोरखपुर। ऱाष्ट्रीय युवा दिवस पर ६ महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़ , लांग जंप और रस्सा खीच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधि ात करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति

के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया । स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व , आध्यात्म ,तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया । महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृ ष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सी.टी.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारम्भ किया । दौड़ प्रतियोगिता मे बालक वर्ग मे प्रथम स्थान अनुभव , द्वितीय स्थान दृ सागर जायसवाल,तृतीय स्थानदृ हरयश्व कुमार सहानी रहे । बालिका वर्ग में प्रथम स्थान दृ कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लॉन्ग जप में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवम् अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग मे अंचल पाठक प्रथम, अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान । रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में । ग्रुप विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में ठ ग्रुप विनर रहा। प्रतियोगिता मे एनसीसी कैडेट अनुभव , सागर जयसवाल, प्रियेश, अमित कुमार चौधरी, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, सागर यादव , खुशी गुप्ता, अमृता कन्नौजिया ,रीतू मौर्य, निधि साहनी,शालिनी चौहान,साक्षी प्रजापति,पूजा सिंह,संजना शर्मा,अंशिका सिंह,आंचल पाठक अश्मिता एवम् उपस्थित समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

पाण्डेय,समाजसेवी निखिल गुप्ता,नितिन आदेश निःशुल्क पाठशाला भी प्रारंभ किये। पर हम सभी उन्हें सत सत नमन करते है। भारतीय जनता युवा मोर्चा व महानगर अध्यक्ष स

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद-डॉ. प्रदीप राव

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

एनसीसी कैडेट्स ने प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग

संवाददाता

गोरखपुर। "राष्ट्रीय युवा दिवस पर शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़ , लांग जंप और रस्सा खीच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया । स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व , आध्यात्म ,तप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉयज और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डॉ. हरी कृष्ण और सी.टी.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सी.टी.ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव , द्वितीय स्थान झ सागर जायसवाल,तृतीय स्थानझहरयश्व कुमार सहानी रहे। बालिका वर्ग में प्रथम स्थान झ कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लॉन्ग जंप में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवम् अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग में अंचल पाठक प्रथम, अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान । रस्सा खींच प्रतियोगिता बालक वर्ग में अ ग्रुप विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में इ ग्रुप विनर रहा। प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट अनुभव , सागर जयसवाल, प्रियेश, अमित कुमार चौधरी, मोतीलाल, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, सागर यादव ,

खुशी गुप्ता, अमृता कन्नौजिया ,रीतू मौर्य, निधि साहनी,शालिनी चौहान,साक्षी प्रजापति,पूजा सिंह,संजना शर्मा,अंशिका सिंह,आंचल पाठक अश्मिता एवम् उपस्थित समस्त कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक तपज्योति के ज्योतिपुंज हैं स्वामी विवेकानंद- डॉ.प्रदीप राव

गोरखपुर १२ जनवरी। राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस पर दौड़ ,लांग जंप और रस्सा खीच प्रतियोगिता से कैडेट्स ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन को समर्पित किया। दौड़ प्रतियोगिता से पूर्व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी का जीवन सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने अपने सम्पूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया । स्वामी विवेकानंद जी हिंदुत्व, आध्यात्म एतप और ज्ञान के ज्योति पुंज है। विश्वविद्यालय परिसर में 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में यूनिट के सभी ब्वॉय और गर्ल्स कैडेट्स ने प्रतिभाग किया ।

महायोगी गोरखनाथ एनसीसी गोरखपुर के एनसीसी ए.एन.ओ. डा.हरी कृष्ण और सी.टी.ओ.डा.संदीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें दौड़ प्रतियोगिता, लंबी कूद एवम् रस्सा खींच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । दौड़ प्रतियोगिता के लिए एनसीसी सीण्टीण्ओ डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव के द्वारा व्हिसिल बजा कर दौड़ का शुभारंभ किया। दौड़ प्रतियोगिता में बालक वर्ग में प्रथम स्थान अनुभव, द्वितीय स्थान सागर जायसवाल ,तृतीय स्थान दृहरयश्व कुमार सहानी रहे । बालिका वर्ग में प्रथम स्थान कैडेट निधि साहनी, द्वितीय आंचल पाठक, तृतीय अमृता कन्नौजिया को मिला। लॉन्ग जंप में बालक वर्ग में शिवम सिंह प्रथम स्थान, सागर यादव द्वितीय स्थान एवं अनुभव को तृतीय स्थान मिला तथा बालिका वर्ग में अंचल पाठक प्रथम,अमृता द्वितीय तथा अंशिका तृतीय स्थान । रस्सा खीच प्रतियोगिता बालक वर्ग में । ग्रुप विनर रहा जबकि बालिका वर्ग में ठ ग्रुप विनर रहा।

पराक्रम दिवस पर बनाई मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

- सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर महायोगी गोरखनाथ विवि में हुआ आयोजन

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डॉ वाजपेयी व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ विमल दूबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

पंचकर्म घाट पर किया श्रमदान

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित यूपी 102 एनसीसी बटालियन गोरखपुर के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में सफाई के साथ स्वच्छता पखवारा शुरु किया। पंचकर्म चिकित्सा के पास घाट परिक्षेत्र की सफाई और कूड़ा निस्तारण कर कैडेट्स नें श्रमदान किया।

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर मंदिरों, तीर्थ स्थलों व संस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्य धाम में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव के निर्देशन में एनसीसी कैडेट्स के सीटीओ डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव और डॉ. कुलदीप सिंह ने झाड़ू लगाकर कैडेट्स को प्रोत्साहित किया। संवाद

पराक्रम दिवस पर बनाई मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

☛सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन
☛यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्तव्य :कुलपति

संवाददाता

गोरखपुर। पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डॉ वाजपेयी व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ विमल दूबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

पराक्रम दिवस : बनाई मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

गोरखपुर (एसएनबी)। पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई। मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में हुआ आयोजन

निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुंक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणा श्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डा. वाजपेयी व कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान गुरु गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्या डा. डीएस अजीथा, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. शशिकांत सिंह, डा. विमल दूबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि मौजूद रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मानव श्रृंखला बनाते राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के स्वयंसेवक।

मानव श्रृंखला बनाकर दिलाई शपथ

गोरखपुर, अमृत विचार। पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया। प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डॉ वाजपेयी व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ विमल दूबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

मानव श्रृंखला बना सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम हुआ। इसके तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त आयोजन में कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेताजी पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ रोहित श्रीवास्तव आदि रहे।

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

गोरखपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर विधिक साक्षरता जागरूकता शिविर का आयोजन राजकीय संप्रेक्षण गृह (किशोर) में किया गया। यह जानकारी अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रामकृपाल ने दी।

पराक्रम दिवस पर बनी मानव श्रृंखला, सड़क सुरक्षा का लिया संकल्प

- सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय में हुआ आयोजन
- यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य : कुलपति

गोरखपुर (विधान केसरी)। पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर सतर्कता व जागरूकता का संकल्प लिया गया।

प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय रोड सेफ्टी क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के सयुक्त आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन का स्मरण किया। सड़क सुरक्षा अभियान में युवाओं को जागरुक करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन बहुत अमूल्य है, इसकी सुरक्षा करें। यातायात नियमों का पालन करना सभी का कर्त्तव्य है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस पराक्रम और शौर्य के प्रतीक और सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ.अखिलेश कुमार दूबे और एनसीसी के कार्यक्रम अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने सड़क सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक किया। मानव श्रृंखला बनाने के अभियान को कुलपति डॉ वाजपेयी व कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, डॉ रोहित श्रीवास्तव, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ विमल दूबे सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठता, शिक्षकगण कक्षा समन्वयक आदि उपस्थित रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in